01-11-2018

प्रेस विज्ञप्ति

के0जी0एम0यू0 में मनाई गई सरदार पटेल की 143वीं जयंती

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में 31 अक्टूबर 2018 को देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल की 143वीं जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चिकित्सा विश्वविद्यालय के ब्राउन हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 कुलपति प्रोफेसर एम0एल0बी0 भटट् द्वारा की गई एवं इसका संचालन फिजियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर नरसिंह वर्मा द्वारा किया गया।

इस सुअवसर पर लौहपुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर एक व्याख्यान माला का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के मा0 सहकारिता मंत्री श्री मुकुट बिहारी वर्मा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

अपने स्वागत उद्धबोधन में चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति जी ने सरदार बल्लभ भाई पटेल के जीवन प्रसंगों तथा उनके व्यक्तित्व के अनूठे संस्मरणों द्वारा उनके कार्यों पर प्रकाश डाला। मा0 कुलपति जी ने यह स्मरण कराया कि आज के परिपेक्ष मे बल्लभ भाई जैसे ढृढ़, राष्ट्रभक्त, अनुशासित एवं राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के पदचिन्हों पर चलने की नितांत आवश्यकता है।

इस सुअवसर पर मा0 सहकारिता मंत्री श्री मुकुट बिहारी वर्मा जी ने बल्लभ भाई के विलक्षण व्यक्तित्व तथा उनके द्वारा राष्ट्रीय एकता एवं सम्प्रभुता को बनाए रखने के संबंध में किए गए कार्यो का वर्णन किया।

मा0 मंत्री जी ने बल्लभ भाई से सम्बंधित कई संस्मरणों को बताया गया। उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार स्वाधीनता के पश्चात लक्ष्यद्वीप को भारत में बनाए रखने हेतु बल्लभ भाई ने भारतीय सेना को सचेत करते हुए समयानुकूल कार्रवाई की। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि किस प्रकार से 560 से अधिक रियासतों में बंटे तत्कालीन भारत को बल्लभ भाई ने एकसूत्र में पिरोया। यह भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि जब सम्पूर्ण भारत अपनी आजादी के हर्षोल्लास में भावविभोर हो रहा था, तब बल्लभ भाई के मन में राष्ट्र की एकता तथा सम्प्रभुता के सपने को साकार करने का भीष्म प्रण हिलोरे ले रहा था। इस अवसर पर मा0 मंत्री जी ने चिकित्सकों तथा चिकित्सा शिक्षा के छात्र–छात्राओं की सराहना करते हुए उनके द्वारा राष्ट्र के प्रति कर्तव्यनिष्ठ कार्यों की भी प्रशंसा की तथा सरदार पटेल के जीवन के उद्धरणों से इस कार्य की महत्ता को जोड़ा।

इस अवसर पर मा0 कुलपति जी ने मा0 सहकारिता मंत्री जी कि प्रेरणा के अनुरूप सभागार में उपस्थित सभी चिकित्सकों एवं छात्र–छात्रओं कों राष्ट्रीय एकता के प्रति सम्पर्ण की शपथ दिलाई। उक्त कार्यक्रम में 300 से अधिक महानुभाव ने भाग लिया।

इसके साथ ही अपने धन्यवाद प्रबोधन में प्रोफेसर नरसिंह वर्मा ने मा0 मंत्री जी, चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति जी तथा समस्त अगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बल्लभ भाई के जीवन से सम्बंधित कुछ अनछुए प्रसंगों का भी आलेख किया।